

33 B
Ex. दिए गए द्वीप तथा उनकी अवस्थिति का सुमेलन निम्नानुसार है—

(द्वीप)	(अवस्थिति)
वेयंत शयोधर	कच्छ की खाड़ी
पिरम	खम्भात की खाड़ी
द्वारका	अरब सागर तट
दीव	काठियावाड़ तट

34 C
Ex. सूची-1 और सूची-2 सही सुमेलन है—

(पर्वतीय दर्रा)	(राज्य)
माणा दर्रा	उत्तराखण्ड
नाथू ला	सिक्किम
जोजि ला	जम्मू और कश्मीर
शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश

31 अक्टूबर, 2019 से जोजि ला केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख में है।

35 B
Ex. मध्य भारत में स्थित विकल्पगत पहाड़ियों का पश्चिम से पूर्व का सही क्रम निम्न है—सतपुड़ा, महादेव, मैकाल तथा छोटानागपुर।

36 B
Ex. मुख्य हिमालय की परतदार चट्टानें जीवाश्म हीन नहीं हैं। अतः कथन 1 असत्य है। लघु हिमालय की परतदार चट्टानों में समुद्री जीव-जंतुओं के जीवाश्म मिलते हैं। बाह्य हिमालय या शिवालिक हिमालय में स्थित बर्जहोम एवं गुफकराल में मानव सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कथन 2 एवं 3 सही हैं।

37 A
Ex.

38 D
Ex.

39 A
Ex.

40 A
Ex.

41 A
Ex.

42 D
Ex.

43 C
Ex.

44 B
Ex.

45 C
Ex.

46 C
Ex.

47 A
Ex.

48 C
Ex.

49 B
Ex.

50 C
Ex.

51 A
Ex.

52 A
Ex.

53 B
Ex.

54 B
Ex.

55 D
Ex.

56 B
Ex.

57 D
Ex.

58 D
Ex.

59 D
Ex.

60 D
Ex.

61 A
Ex.

62 A
Ex.

63 A
Ex.

64 B
Ex.

65 A
Ex.

- A. गदर पार्टी की स्थापना लाला हर दयाल (3) ने की थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को भारत में सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से उखाड़ फेंकना था।
- B. हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) में भगत सिंह (2) की महत्वपूर्ण भूमिका थी, जो इसे समाजवादी सिद्धांतों की ओर फिर से संगठित करने और वैचारिक दिशा देने से जुड़े हैं।
- C. अनुशीलन समिति का नेतृत्व मूल रूप से बारिन्द्र कुमार घोष (4) ने किया था, जो ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रत्यक्ष कार्रवाई और क्रांतिकारी गतिविधियों पर केंद्रित था।
- D. भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA) को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सुभाष चंद्र बोस (1) ने पुनर्जीवित किया और नेतृत्व किया था, जापानी सहायता से ब्रिटिश शासन से भारत को मुक्त करने का लक्ष्य था।

66 A
Ex.

- A. दीवान राजस्व संग्रहण और वित्त (2) के लिए जिम्मेदार था, साम्राज्य के खजाने और पूरे वित्तीय प्रणाली की देखरेख करता था।
- B. मीर बक्शी सैन्य मामले और सेना का वेतन (1) का प्रभारी था, जिसमें सैनिकों की भर्ती, वेतन भुगतान और सैन्य खुफिया शामिल थी।
- C. सदर-उस-सदर धार्मिक मामले और धर्मार्थ संपत्तियाँ (3) संभालता था, मस्जिदों, धार्मिक संस्थानों की निगरानी करता था और धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए धन के आवंटन का प्रबंधन करता था।
- D. काजी-उल-कूजात साम्राज्य भर में न्याय और कानूनी मामलों के प्रशासन के लिए जिम्मेदार न्यायिक और कानूनी मामले (4) के मुख्य अधिकारी थे।

